



# ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

कृषि अनुसंधान केन्द्र  
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय  
बीकानेर - 334 006



उत्तमा वृत्तिस्तु कृषिकर्मव

डा. शिशपाल सिंह  
सहायक प्राध्यापक

दिनांक 16.02.2021

क्रमांक: एफ/एग्रो/एग्रोमेट./21/

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह

अवधि 17 फरवरी 2021 से 21 फरवरी 2021 तक

**मौसमपूर्वानुमान:** भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र, नई दिल्ली एवं जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर बीकानेर जिले में आगामी 5 दिनों में मौसम पूर्वानुमान निम्नांकित रहने की सम्भावना है।

मौसमकारक		दिनांक				
		17.02.2021	18.02.2021	19.02.2021	20.02.2021	21.02.2021
1.	वर्षा (एम.एम.)	0	0	0	0	0
2.	आसमान में बादलों की स्थिति	आंशिक बादल	आंशिक बादल	स्वच्छ आकाश	आंशिक बादल	स्वच्छ आकाश
3.	तापमान में वृद्धि / कमी					
	अधिकतम	33	34	34	34	35
	न्यूनतम	15	16	16	16	16
4.	वायुदिशा	पूर्वी	पूर्वी	पूर्वी उत्तरी पूर्वी	पूर्वी	पूर्वी दक्षिणी पूर्वी
5.	सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)					
	अधिकतम	66	64	63	61	60
	न्यूनतम	22	22	21	21	20
6.	औसत वायु गति [कि./घण्टा]	12	13	12	11	7
7.	कुल वर्षा	00.00				

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर द्वारा उपरोक्त मौसम के पूर्वानुमान के आधार पर बीकानेर जिले के किसान भाइयों को निम्नांकित सलाह दी जाती है।

- आने वाले दिनों में वर्षा नहीं होने के साथ दिन व रात के तापमान में बढ़ोतरी होने, मध्यम आपेक्षिक आर्द्रता के साथ मध्यम गति की हवाएँ चलने और आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है।

- किसान भाई महामारी कोविड19 से बचाव हेतु भारत सरकार व स्वास्थ्य विभाग की गाइडलाइन को मानते हुये आपस में कम से कम 1 मीटर की दूरी बनाए रखें।
- जहाँ कहीं भी खरपतवार हो उसे नष्ट करें।
- जीरे में फुल आने के बाद सिंचाई बंद कर दें।
- जीरे में अंगमारी बीमारी का रोग होने पर मेन्कोजेब 2 ग्राम/ लीटर या 500 ग्राम/बीघा की दर से छिड़काव करें, छिड़काव 2-3 बार दोहराए।
- जीरे व चने में उकटा रोग का प्रकोप होने पर कार्बेन्डाजिम 300 ग्राम/बीघा की दर से छिड़काव करें तथा 15 दिन के अन्तराल पर छिड़काव को पुनः दोहराए।
- तेला प्रबंधन हेतु कीट का प्रकोप होने पर निम्न में से किसी एक कीटनाशी का छिड़काव करें आवश्यकता पड़ने पर 15 दिन बाद पुनः दोहरावें 1. थायामिथोक्जाम 5 ग्राम/15 लीटर, 2. इमिडाक्लोप्रिड 3 मिली/15 लीटर ओर 3. डाईमिथोएट 30 मिली/15 लीटर।
- चने में हरी लट का प्रकोप होने पर 25 किलो प्रति हेक्टेयर की दर से क्युनाल्फोस या फेनवेलेरेट या मेलथियान का बुरकाव करें या 1200 मिली क्युनाल्फोस या 1000 मिली मोनोक्रोटोफास या 200 मिली इंडोक्साकार्ब या 100 ग्राम इमामेक्टीन बेंजोएट या 75 ग्राम स्पाइनोसिड प्रति हेक्टेयर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
- जहाँ कहीं भी देर से बुवाई की गई सरसों की फसल में सफेद रोली का प्रकोप हो तो रिडोमिल एम जेड 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें तथा जरूरत हो तो 15 दिन बाद पुनः दोहराएँ।
- प्याज की फसल (विशेष रूप से बीज उत्पादन कार्यक्रम में) पीली पत्ती काले धब्बे के साथ बीमारी का प्रकोप होने पर 0.2 प्रतिशत (2 ग्राम/लीटर पानी) मेंकोजेब छिड़काव करें।
- खेत में चूहों के नियंत्रण हेतु जिंक फास्फाइड + आटा + खाने का तेल का 2 : 94 : 4 के अनुपात में मिश्रण का चुगा खुले बिल्लो पर रखें
- भविष्य के लिए पानी और नमी की हर बूंद का संरक्षण करें।
- पशुओं को सर्द हवाओं से बचाए।
- पशुओं में पेट के कीड़े मारें व खुर पक्का - मुँह पक्का, काला ज्वर व गल घोट बीमारी के टीके मानसून से पहले - पहले लगवाएँ।